क्या आप प्यासे हैं? तो आइए और जीवन के जल से तृप्त हो जाइए — जो यीशु मसीह के द्वारा आपको निःशुल्क प्रदान किया जाता है।

हर मनुष्य की आत्मा एक गहरी आत्मिक प्यास अनुभव करती है — एक ऐसा渇◌ा जो सच्ची आनन्द, शांति, प्रेम, धर्म, उद्देश्य और अंततः अनंत जीवन के लिए होता है। पवित्र शास्त्र इस सच्चाई की पुष्टि करता है कि यह प्यास सार्वभौमिक है, क्योंकि मनुष्य को परमेश्वर के साथ संगति के लिए रचा गया था (उत्पत्ति 1:26–27)। परंतु पाप ने उस संगति को तोड़ दिया (रोमियों 3:23), और इस कारण लोग अपनी आत्मिक प्यास को गलत उपायों से बुझाने का प्रयास करते हैं।

कोई भोग-विलास में सुख ढूंढता है, कोई शराब में शांति खोजता है। कुछ धन से खुशी चाहते हैं, और कुछ ओझा, जादूगर या झूठे धर्मों में शाश्वत उत्तर खोजते हैं। कई लोग प्रेम पाने के लिए छल करते हैं या हिंसा में स्वतंत्रता ढूंढते हैं। लेकिन इनमें से कुछ भी आत्मा की जड़ तक नहीं पहुंचता – क्योंकि आत्मा को वास्तव में परमेश्वर से मेल की आवश्यकता है।

यह सब टूटी हुई हौदियाँ हैं जो पानी नहीं रख सकतीं:

“मेरे लोगों ने दो बुराइयाँ की हैं: उन्होंने मुझे, जीवन के जल के सोते को छोड़ दिया है, और अपने लिए हौदियाँ खोदी हैं, अर्थात टूटी हुई हौदियाँ जो जल नहीं रख सकतीं।”
— यिर्मयाह 2:13 (ERV-HI)

वे क्षणिक राहत तो दे सकते हैं, परंतु कभी स्थायी तृप्ति नहीं दे सकते। आत्मा प्यासि ही रहती है।

परंतु एक शुभ समाचार है: केवल एक ही स्रोत है जो इस आत्मिक渇◌ा को पूरी तरह शांत कर सकता है — प्रभु यीशु मसीह। वही जीवन के जल का सोता है, और वह हर प्यासे को अपने पास बुलाता है। यीशु ने कहा:

“यदि कोई प्यासा हो तो मेरे पास आकर पीए। जो मुझ पर विश्वास करता है, जैसा पवित्र शास्त्र में कहा गया है, उसके हृदय में
से जीवन के जल की नदियाँ बह निकलेंगी।”
— यूहन्ना 7:37–38 (ERV-HI)

यह “जीवन का जल” पवित्र आत्मा का प्रतीक है, जिसे यीशु उन सभी को देता है जो उस पर विश्वास करते हैं (यूहन्ना 7:39)। यह जल स्थायी

रूप से तृप्त करता है। इस संसार के पीछे भागने वाली चीजें हमें खाली कर देती हैं, परंतु परमेश्वर का आत्मा हमें नया जीवन देता है, हमें रूपांतरित करता है और अनंत जीवन से भर देता है।

जब यीशु सामार्य की स्त्री से कुएँ पर मिला, तो उसने कहा:

“जो कोई इस जल में से पीता है वह फिर प्यासा होगा। परन्तु जो कोई उस जल में से पीएगा जो मैं उसे दूँगा, वह अनन्तकाल तक कभी प्यासा न होगा; वरन् जो जल मैं उसे दूँगा वह उसमें एक सोता
बन जाएगा, जो अनन्त जीवन के लिए उमड़ता रहेगा।”
— यूहन्ना 4:13–14 (ERV-HI)

यह जीवन का जल उस नए जीवन और उद्धार का प्रतीक है जो मसीह हमें देता है। इसे पाने के लिए मनुष्य को उस पर विश्वास करना होगा, पापों से मन फिराना होगा, और आत्मा से नया जन्म लेना होगा (यूहन्ना 3:5–6; प्रेरितों के काम 2:38)। मसीह में हमें केवल प्यास से मुक्ति ही नहीं मिलती, बल्कि एक नई पहचान और भविष्य भी मिलता है: हम परमेश्वर की संतान बनते हैं (यूहन्ना 1:12), पवित्र आत्मा का मन्दिर बनते हैं (1 कुरिन्थियों 6:19), और अनन्त जीवन के वारिस बनते हैं (तीतुस 3:7)।

मसीह में आपको प्राप्त होता है:

ऐसा आनन्द जो अवर्णनीय और महिमा से भरा हुआ है — 1 पतरस 1:8

ऐसी शांति जो समझ से परे है
— फिलिप्पियों 4:7

ऐसा प्रेम जो कभी समाप्त नहीं होता
— 1 कुरिन्थियों 13:8

उसकी धार्मिकता के द्वारा पवित्रता — 2 कुरिन्थियों 5:21

आपकी आत्मा के लिए सच्चा विश्राम
— मत्ती 11:28–30

और परमेश्वर की उपस्थिति में अनन्त जीवन
— प्रकाशितवाक्य 21:6–7

इसलिए मैं आज आपको आग्रहपूर्वक आमंत्रित करता हूँ: यीशु को अपने हृदय में स्थान दें। जब वह आपको बुलाता है, तब उसकी आवाज़ को अनसुना न करें। केवल वही आपकी आत्मा की渇◌ा को न केवल क्षणिक रूप से, बल्कि सदा-सर्वदा के लिए शांत कर सकता है।

क्योंकि वह स्वयं कहता है:

“मैं ही आदि और अन्त हूँ। मैं प्यासे को जीवन के जल का सोता मुक्त में दूँगा।”
— प्रकाशितवाक्य 21:6 (ERV-HI)

प्रभु आपको आशीष दे।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP....

Share on:
WhatsApp